पाठ्यक्रम

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र; चौ० देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा; महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक एवं इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- निर्धारित पाठ्यपुस्तक-मध्यकालीन काव्य-कुंज : सं० डॉ० रामसजन पाण्डेय
  प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, 1276/5 पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज़, रोहतक।
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल
- काव्यशास्त्र
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड-क : मध्यकालीन काव्य-कुंज

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि

1. कबीरदास
2. सूरदास
3. तुलसीदास
4. मीराँबाई
5. बिहारी
6. घनानन्द
7. रसखान

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जायेंगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे।

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड-ख : हिन्दी साहित्य का आदिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा
2. आदिकाल का नामकरण
3. आदिकाल की परिस्थितियाँ
4. आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ
5. रासोकाव्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय

खण्ड-ग : काव्यशास्त्र पर आधारित विषय

1. काव्य के तत्त्व
2. रस : स्वरूप और अंग
3. रस के भेद
4. अलंकार–अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, अतिशयोक्ति, मानवीकरण, अन्योक्ति, समासोक्ति
   छन्द–दोहा, चौपाई, सोरठा, बरवै, कुण्डलियाँ, छप्पय, कवित्त, घनाक्षरी
   शब्दशक्तियाँ–अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
   काव्य-गुण–प्रसाद, माधुर्य और ओज
   वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश :

1. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या छः अंक की होगी। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
2. खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न आठ अंक का होगा।
3. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
4. खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न आठ-आठ अंक का होगा। इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा।
5. खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न दस अंक का होगा।
6. खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उप प्रश्न 5 अंक का तथा पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
7. खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

हिन्दी (अनिवार्य)

बी०ए० प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

○ निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- ◆ ध्रुवस्वामिनी (नाटक) : जयशंकर प्रसाद।
- ◆ हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल।
- ◆ व्यावहारिक हिन्दी।
- ◆ वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

○ ध्रुवस्वामिनी (नाटक) से आलोचनात्मक प्रश्न

1. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का प्रतिपाद्य।
2. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की पात्र योजना।
3. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की अभिनेयता।
4. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की संवाद योजना।
5. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की भाषा शैली।
6. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का उद्देश्य।

○ हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

1. भक्तिकाल की परिस्थितियाँ।
2. संत काव्य की प्रवृत्तियाँ।
3. सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ।
4. राम काव्य की प्रवृतियाँ
5. कृष्ण काव्य की प्रवृतियाँ
6. भक्तिकाल : स्वर्णयुग

Scanned with OKEN Scanner

4. राम काव्य की प्रवृत्तियाँ
5. कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियाँ
6. भक्तिकाल : स्वर्णयुग

खण्ड ग : व्यावहारिक हिन्दी

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

1. भाषा की परिभाषा
2. भाषा के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा
3. मानक-भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
4. हिन्दी वर्णमाला : स्वर एवं व्यंजन
5. हिन्दी वर्तनी : समस्या और समाधान
6. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

खण्ड घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश :

1. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
2. खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 8 अंक का होगा।
3. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
4. खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8-8 अंक का होगा। इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा।
5. खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
6. खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उप-प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
7. खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

हिन्दी (अनिवार्य)

बी.ए. द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

❒ आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पाठ्य-पुस्तक	36 अंक
❒ हिंदी साहित्य का रीतिकाल	26 अंक
❒ प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कम्प्यूटिंग और अनुवाद	10 अंक
❒ वस्तुनिष्ठ प्रश्न	8 अंक

खण्ड-क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्य-पुस्तक

❒ तृतीय सेमेस्टर हिंदी (अनिवार्य) की आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पाठ्य-पुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक-निर्माण के साथ किया जाएगा) कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग तैयार करेगा। कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी-विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्य-पुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएं।

❒ प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य-पुस्तक में निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा—

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
2. मैथिलीशरण गुप्त
3. जयशंकर प्रसाद
4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
5. महादेवी वर्मा
6. रामधारी सिंह दिनकर
7. भारतभूषण अग्रवाल

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख : हिंदी साहित्य का रीतिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. रीतिकालीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि
2. रीतिकाल का नामकरण
3. रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ
4. रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ
5. रीतिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड-ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

1. कम्प्यूटर : स्वरूप और महत्व
2. ई-मेल : प्रेषण-ग्रहण
3. इंटरनेट : स्वरूप और उपयोगिता
4. मशीनी अनुवाद
5. अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप

खण्ड-घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश :

1. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करना होगी। प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
2. खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 08 अंक का होगा।
3. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
4. खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 08-08 अंक का होगा। इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा।
5. खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
6. खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देना होगा। प्रत्येक उप प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
7. खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा एवं महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

हिन्दी (अनिवार्य)

बी०ए० द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम तथा अंक विभाजन

- कथाक्रम : संपा० डॉ० रोहिणी अग्रवाल
- हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य
- पारिभाषिक शब्दावली
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड (क) : कथाक्रम

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के वस्तु पक्ष तथा कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख) : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. आधुनिक काल की परिस्थितियाँ
2. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास
3. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास
4. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
5. हिंदी निबन्ध : उद्भव और विकास

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड (ग) : पारिभाषिक शब्दावली

निर्धारित विषय

1. पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप और महत्त्व
2. पारिभाषिक शब्दावली के गुण
3. पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय विविध सम्प्रदाय : राष्ट्रीयतावादी, अन्तर्राष्ट्रीयतावादी, समन्वयवादी

खण्ड (घ) : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश–

1. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
2. खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 8 अंक का होगा।
3. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
4. खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8-8 अंक का होगा। इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा।
5. खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न दस अंक का होगा।
6. खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का तथा पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
7. खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न दस अंक का होगा।

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र एवं चौ० देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा

बी०ए० तृतीय वर्ष (पञ्चम सेमेस्टर)
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं अंक विभाजन

- समकालीन हिन्दी कविता पर आधारित पाठ्य-पुस्तक — 40 अंक
- हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता — 20 अंक
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : पत्र-लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन — 10 अंक
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न — 10 अंक

खण्ड-क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्य-पुस्तक

पञ्चम सेमेस्टर हिंदी (अनिवार्य) की समकालीन हिन्दी कविता पर आधारित पाठ्य-पुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक-निर्माण के साथ किया जाएगा) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय का हिन्दी विभाग तैयार करेगा। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्य-पुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए।

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य-पुस्तक में निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा–

1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
2. धर्मवीर भारती
3. श्रीनरेश मेहता
4. नागार्जुन
5. रघुवीर सहाय
6. कुँवर नारायण
7. लीलाधर जगूड़ी

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न :

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

खण्ड-ख : हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ
2. द्विवेदीयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
3. छायावाद
4. प्रगतिवाद
5. प्रयोगवाद
6. नयी कविता
7. समकालीन कविता

खण्ड-ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : पत्र-लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन

1. पत्र-लेखन : स्वरूप और उसके विविध भेद
2. संक्षेपण
4. पल्लवन

खण्ड-घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Scanned with OKEN Scanner

पाठ्यक्रम

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र; चौ० देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा; महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक तथा गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

बी. ए. तृतीय वर्ष (छठा सेमेस्टर)

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घंटे

कुल अंक : 100

लिखित परीक्षा : 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- नव्यतर विधाओं पर आधारित पाठ्यपुस्तक (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र सम्पादित)
- हरियाणवी लोक साहित्य का इतिहास
- हिन्दी पत्रकारिता
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड-क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक

- षष्ठ सेमेस्टर हिन्दी (अनिवार्य) की नव्यतर गद्य विधाओं पर आधारित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक-निर्माण के साथ किया जाएगा) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र का हिन्दी-विभाग तैयार करेगा। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के हिन्दी-विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए।

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक में निम्नलिखित लेखकों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा–

1. (निबन्ध) : बालमुकुन्द गुप्त
2. (निबन्ध) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. (संस्मरण) : महादेवी वर्मा
4. (ललित निबन्ध) : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. (ललित निबन्ध) : विद्यानिवास मिश्र
6. (व्यंग्य) : हरिशंकर परसाई
7. (यात्रावृत्तान्त) : राहुल सांकृत्यायन

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों के साहित्यिक परिचय, निबन्धों के वस्तु पक्ष तथा कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जाएँगे।

Scanned with OKEN Scanner

खण्ड-ख : हरियाणवी भाषा और साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. हरियाणवी भाषा का उद्भव और विकास
2. हरियाणवी भाषा की प्रमुख बोलियाँ
3. हरियाणा की सांग परम्परा : उद्भव और विकास
4. हरियाणवी भाषा का आधुनिक साहित्य

   (क) हरियाणवी कविता : परिचय और प्रवृत्तियाँ

   (ख) हरियाणवी का गद्य साहित्य

   (1) उपन्यास साहित्य, (2) कहानी साहित्य, (3) नाट्य साहित्य

खण्ड-ग : प्रयोजनमूलक हिन्दी : पत्रकारिता

1. पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार
2. शीर्षक की संरचना
3. सम्पादक के गुण और दायित्व
4. फीचर लेखन
5. स्वतन्त्र प्रेस की अवधारणा

खण्ड-घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश-

1. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
2. खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 8 अंक का होगा।
3. खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
4. खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 8-8 अंक का होगा। इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा।
5. खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
6. खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उप प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।
7. खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

Scanned with OKEN Scanner

B.Com- Semester – III

पेपर – बीसी 3.1: हिन्दी

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 40 आन्तरिक मूल्यांकन : 10

पाठ्यग्रंथ अभिनव काव्य गरिमा, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की प्रकाशन
(बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर के लिए निर्धारित)

इस पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित चार कवि और उनका काव्य निर्धारित किए गए हैं —मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' और रामधारी सिंह 'दिनकर'।

निर्देश –

खण्ड एक (काव्य)

पाठ्यपुस्तक से दिए गए चार अवतरणों में से दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक सप्रसंग व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पाठ्यग्रंथ में दिए गए कवियों में से दो का साहित्यिक परिचय पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय लिखना होगा। इसके लिए 6 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार, इस खण्ड के लिए कुल 18 अंक निर्धारित किए गए हैं।

खण्ड : दो (व्यावसायिक पत्राचार)

व्यावसायिक और व्यापारिक पत्र के गुण—व्यापारिक पत्र का प्रारूप, प्रकार—व्यावसायिक और सरकारी पत्र में अन्तर, आदेश भेजने के पत्र, बैंक विनियम पत्र, बीमा पत्र, आर्डरों का निपटान, दावों का निपटारा। इस खण्ड में कुल पूछे 4 प्रश्न में से दो प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। इस खण्ड के लिए कुल 16 अंक निर्धारित किए गए हैं।

खण्ड : तीन (व्यावसायिक शब्दावली)

पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित 50 अंग्रेजी शब्दों में से पूछे गए किन्हीं 12 शब्दों के हिन्दी–तकनीकी–अर्थ लिखने होंगे। इनके लिए 6 अंक निर्धारित हैं।

Absorption, Actuary, Amalgamation Articles of Association, Annuity, Bill of exchange, Bailment, Bank Overdraft, Bankruptcy, Blue Chip Company, Circular Letter, Conveyance Deed, Collaboration, Endorsement, Endowment Fund, Factoring, Floating Charge, Freehold Property, Gratuity, Invoice, Indemnity Bond, Intrinsic Value, Lease financing, Logistics, Lien, Liquidator, Mortgage, Negotiable Instruments, Operating Leverage, Outstanding Liabilities, Offshore Account, Overheads, Portfolio, Public Deposits, Promissory Note, Promoter, Payroll Accruals, Quotation, Quorum, Quasi Contract, Revenue, Right Issue, Surplus, Sweat Equity Shares, Tender, Treasury Bills, Underwriter, Vendor, Venture Capital, Yield

Scanned with OKEN Scanner

B.Com- Semester - IV

पेपर – बी.सी. 4.1: हिन्दी

समय : 3 घण्टे　　　　　　　　　　　　　पूर्णांक : 40 आन्तरिक मूल्यांकन : 10

पाठ्यग्रंथ : आठ एकांकी (सम्पादक देवेन्द्र राज अंकुर, महेश आनन्द), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
(बी.एससी – चतुर्थ सेमेस्टर के लिए निर्धारित)

इस पाठ्यपुस्तक में से निम्नलिखित छः एकांकी निर्धारित किए गए हैं — औरंगजेब की आखिरी रात, लक्ष्मी का स्वागत, रीढ़ की हड्डी, बसन्त ऋतु का नाटक, संस्कार और भावना, [illegible] सवाल।

निर्देश –

खण्ड : एक (एकांकी)

पाठ्यपुस्तक से दिए गए चार अवतरणों में से दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक सप्रसंग व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं; पाठ्यग्रंथ में दिए गए एकांकीकार में से दो का साहित्यिक परिचय पूछा जाएगा, परीक्षार्थी को किसी एक एकांकीकार का साहित्यिक परिचय लिखना होगा। इसके लिए 6 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार, इस खण्ड के लिए कुल 18 अंक निर्धारित किए गए हैं।

खण्ड : दो (टिप्पणी, आलेखन और व्यावसायिक पत्राचार)

टिप्पणी का सामान्य परिचय, प्रकार, टिप्पणी के अंग, टिप्पणी की विशेषताएं और औपचारिकताएं, टिप्पणी प्रारूप, भाषा और विभिन्न मामलों (केसों) का [illegible] निष्कर्ष पर पहुंचना और कार्यवाही हेतु सुझाव।
आलेखन का परिचय, आलेखन के अंग, आलेखन में प्रयुक्त भाषा, वरिष्ठ/कनिष्ठ/मुख्यालय/क्षेत्रीय कार्यालय/सरकारी कार्यालय को सम्बोधन सम्बन्धी औपचारिकताएं, कागजों और दस्तावेजों को फाईल करने की विधि। इस खण्ड में कुल पूछे 4 प्रश्न में से दो प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का होगा। इस खण्ड के लिए कुल 14 अंक निर्धारित किए गए हैं।

खण्ड : तीन (निबन्ध–लेखन)

पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित आठ विषयों में से पूछे गए पांच विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखना होगा। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
विषय– (1) मानवाधिकार, (2) नैतिक शिक्षा, (3) मद्यनिषेध, (4) विज्ञान और औद्योगिकरण, (5) शिक्षा और राजनीति, (6) कम्प्यूटर तथा इंटरनेट, (7) विज्ञान और पर्यावरण प्रदूषण, (8) जनसंख्या विस्फोट।

Scanned with OKEN Scanner